७ जनवरी २०२४ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

श्रेणी- ६

Gujrati - Hindi Lipi

प्रश्न.१) खामणाथी समाप्तिसूत्रना आधारे जवाब लखो:-

(क) पाठ पूर्ति करो. (Any Five) **(१०)**

(१) समकित, ..., ..., ..., ... सेवणा वावि

(२) चउहिं सन्नाहिं, ..., ..., ..., ... पडिक्कमामि

(३) अवर्णे, ..., ..., ..., ... अविनाशी

(४) मुहवासविहिं, ..., ..., ..., ... दव्वविहिं

(५) फलग, ..., ..., ..., ... पडिलाभेमाणे

(६) इमं शरीर, ..., ..., ..., ... मणामं

(७) इत्थं, ..., ..., ..., ... मुच्चंति

(ख) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लखो. (Any - 5) **(०५)**

(१) सामाइस्स सइ अकरणया

(२) सिव

(३) संघट्टिया

(४) सद्हंतो

(५) सोवणवतियाअे

(६) सव्व कालियाअे

(ग) नीचे आपेला गुजराती अर्थनो मागधी शब्द लखो. (Any - 4) **(०४)**

(१) समकितने अंगीकार करुं छुं.

(२) रुडुं ज्ञान अविनीतने दीधुं होय.

(३) पात्र अने वस्त्र आदि उपधिनी

(४) सळेखम (कफ) थाय

(५) साद (अवाज) करीने मर्यादा बहारथी कोईने बोलावेल होय.

(६) संदेह पड्या छतां आगळ वधायुं होय.

(घ) जोडकां जोडो. **(०२)**

(१)	पगाम सिज्जाए	(१)	वमन (उल्टी) मां उपजे ते.
(२)	झुसणा	(२)	खोटुं आळ चडाववुं.
(३)	अभ्याख्यान	(३)	क्षमा करवाना
(४)	वंतेसुवा	(४)	वधारे सूतां रहेवाथी

(च) आंकडांमां जवाब लखो. **(०५)**

(१)	कुल जिवायोनी	(६)	अतिचार
(२)	कर्मभूमि	(७)	काउसग्गना आगार
(३)	मिथ्यात्वना प्रकार	(८)	सामायिकनी मिनीट
(४)	पाप स्थानक ना प्रकार	(९)	धनघाति कर्म
(५)	शिक्षाव्रत	(१०)	भयना प्रकार

(छ) अेक ज शब्दमां जवाब लखो. **(०४)**

(१) कया सूत्रोनो स्वाध्याय चार प्रहर करी शकाय.

(२) गुच्छा आदिथी पोंजवुं

(३) साधुजीने आहार वहोराव्या पछी सचेत पाणीथी हाथ के वासण धोवाने कारणे लागनार दोष.

(४) प्रथम श्रमणसूत्रनुं नाम

प्रश्न.२) आगारधर्मनुं स्वरुप अने दुर्लभता.
नीचेना प्रश्नोना एक ज शब्दमां जवाब लखो. **(०७)**

(१) तीर्थनी स्थापना थाय त्यारे पहेले ज दिवसे गणधरो शेनी रचना करे ? (१)

(२) श्रावक मरीने जधन्य अने उत्कृष्ट क्यां जाय ? (१)

(३) भगवान महावीर स्वामीअे कया आगममां स्वमुखेथी कया श्रावकना वखाण कर्या ? (१)

(४) आत्माना दर्शन कयो अरिसो करावे ? (१)

(५) आगार धर्मनुं स्वरुप मां आवतां आगमना नाम लखो. (३)

प्रश्न.३) नवतत्व

(अ) अयोग्य गोळ (Circle) **करो.** **(०५)**

(१) अतीर्थ सिध्धा, अेक सिध्धा, स्वलिंग सिध्धा, ध्यान सिध्धा

(२) प्रकृतिबंध, प्रदेशबंध, प्रायश्चितबंध, स्थिति बंध

(३) अनशन, विनय, उणोदरी, कायक्लेश

(४) अरति, अज्जवे, अकिंचणे, संजमे

(५) चंद्र, सूर्य, नक्षत्र, भूत

(६) खरखरो, भारे, उनो, वट्ट

(७) बादर नाम, त्रस नाम, पर्याप्ता नाम, अपर्याप्ता नाम

(८) आरंभिया, नेसत्थिया, अव्रत, सामुदाणिया

(९) निद्रा, पैशुन्य, क्रोध, रतिअरति

(१०) लयणपुन्ने, मनपुन्ने, अशुभपुन्ने, वत्थपुन्ने

(ब) नीचेना प्रश्नोना जवाब अेक ज शब्दमां लखो. **(१०)**

(१) सिध्धमां कयो भाव होय?

(२) जेने वर्ण, गंध, रस, स्पर्श न होय तेने शुं कहेवाय?

(३) प्रदेशोना समूह ने शुं कहेवाय?

(४) मदिरापान समान कयुं कर्म छे?

(५) आठ कर्मनो जेनाथी विनाश थाय ते शेनाथी?

(६) नाम कर्मअे कयो गुण रोक्यो छे?

(७) आत्मप्रदेश थकी सर्वथा कर्मोनो क्षय थयो ते कयुं तत्व?

(८) जे शरीर मोक्षगतिमां सहायक होय तेने कयुं शरीर कहेवाय?

(९) धर्मभावना कोणे करी?

(१०) अेक शरीरमां अनंत जीवो साथे रहे तेवुं शरीर मळे स्वतंत्र शरीर न मळे ते कई प्रकृति?

(क) नीचेनानी योग्य जोडी बनावो. Match the Following. **(०५)**

(१) जग्यानुं दान देवाथी	(१) प्रकृति बंध
(२) प्रकाश करनारा देवो	(२) यथाख्यात चारित्र
(३) शरीरमां उष्णता रहे अने आहारने पचावे	(३) ऋषभदेवना ९८ पुत्रो
(४) जे कषाय अनंतो संसार वधारे	(४) हुंड संस्थान
(५) वस्तुनी याचना छतां न मळे	(५) ध्यान
(६) अेक विषय उपर मननी एकाग्रता	(६) अलाभनो परिषह
(७) सर्व अवयव अशुभ होय	(७) अनंतानुंबंधी
(८) बोधिभावना भावी	(८) तेजस शरीर
(९) संपूर्ण वीतराग अवस्था प्राप्त थाय छे.	(९) ज्योतिषी
(१०) कर्मनो स्वभाव तथा परिणाम	(१०) लयण पुन्ने

(ड) अंकमां जवाब लखो. **(०५)**

(१) केटला बोलनो धारक मोक्षे जाय?

(२) बंध तत्व ना भेद.

(३) केटला भेदे सिध्ध थाय.

(४) ६ठ्ठी नरकना नरकावास

(५) यतिधर्म

(६) नो कषाय

(७) पुण्यमां नाम कर्मनी प्रकृति

(८) क्रिया केटली

(९) रुपी अजीव ना भेद

(१०) वैमानिक ना देव

(ई) व्याख्या लखो. (Any Five) **(०५)**

(१) मोक्ष तत्व

(२) परमाधामी

(३) आरंभिया

(४) वचन असंवरे

(५) सूक्ष्म संपराय चारित्र

(६) रसपरित्याग

(७) तीर्थंकर सिध्धा

(८) स्थावर नाम

(९) देवानुपूर्वी

(१०) अन्न पुन्ने

प्रश्न.४) आगमना आधारे जवाब लखो.

खाली जग्या पूरो. **(०८)**

(१) अंगसूत्रमांथी ..... सूत्र विच्छेद गयुं छे.

(२) १० पूर्वथी १४ पूर्वना ज्ञानी ..... स्थविरनी रचना

(३) जंबुद्वीप, छ आरा, भरत चक्रवर्तीनुं वर्णन ..... मां आवे छे.

(४) सौथी मोटुं आगम ..... छे.

(५) चतुर्विध संघने प्रतिदिन अवश्य करवा योग्य छे ते ..... सूत्र

(६) भगवान पार्श्वनाथना शासननी १० साध्वी आलोचना कर्या वगर काळ करी देवी बनी तेनुं वर्णन ..... सूत्रमां छे.

(७) अंगसूत्रना रचयिता .....

(८) आवश्यक व्यतिरिक्त नां बे भेद ....., ...

प्र.५

(अ) कथाना आधारे जवाब लखो. **(०६)**

(१) सौधर्म इन्द्र कोनुं अभिमान दूर करवा आव्या हतां ?

(२) दारक गर्भमां हतो त्यारथी तेने कयो रोग थयेल हतो ?

(३) दु:ख विपाक सूत्रमां कोनी कथा आवे छे ?

(४) मेरुप्रभ हाथीने कयुं ज्ञान थयुं ? ते केटला हाथीओना युथपति बन्यो ?

(५) ईन्द्रना वैभवनुं वर्णन करो.

(ब) खाली जग्या पूरो. **(०४)**

(१) ..... चंपा नगरीथी नीकळी दशार्णपुर नगरमां पधार्या.

(२) मेघमुनीए ..... पर्वत उपर जई अेक महिनानो संथारो कर्यो.

(३) गौतमस्वामी अे विचार्युं, आ बाळक कया कर्मथी ..... जेवा पाप भोगवे छे ?

(४) मुनि मेघकुमार नी कथा ..... आगम मांथी लीधी छे.

प्रश्न.६) काव्यना आधारे कडी पूर्ण करो.

(अ) भक्तामरनी पूर्ति करो. (Any-2) **(०४)**

(१) सोहं .....परिपालनार्थम्।

(२) भक्तामर .....जनानाम्

(३) मत्वेति नाथ! ..... ननूद - बिन्दुः।

(ब) साधु वंदणानी पूर्ति करो. (Any-3) **(०६)**

(१) श्रेणिकना ..... विश्वावीश.

(२) धन्य ढंढण .....भव फंद.

(३) चोवीस .....भाख.

(४) संवत .....अधिकार.

(५) धन्नानी ..... भगवंत.